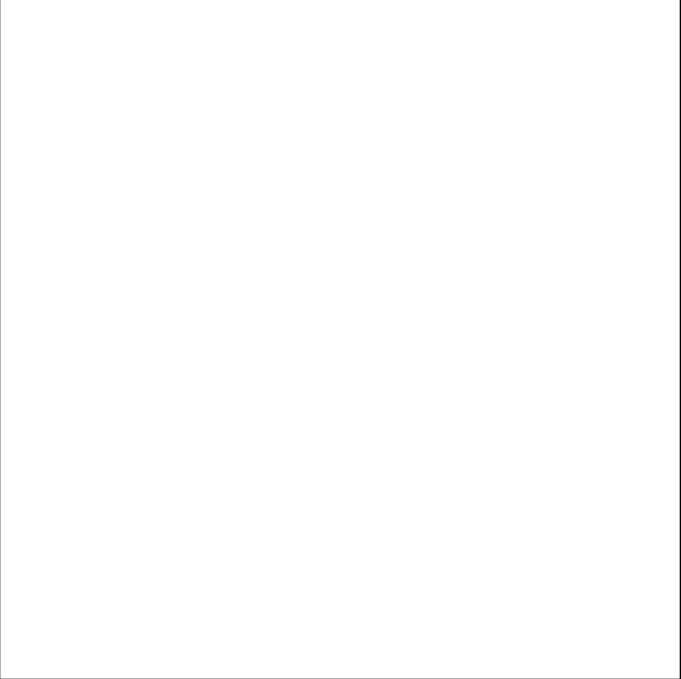


ग्लोबल



✎ Ursula Nafula
✉ Vusi Malindi
📄 Nandani
|| 2
📖 हिंदी

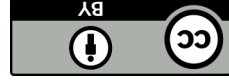


Global Storybooks

globalstorybooks.net

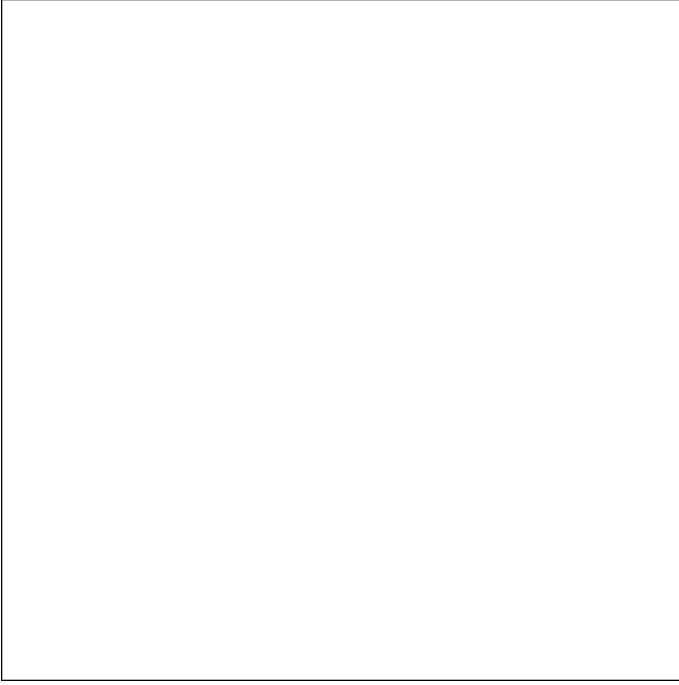
ग्लोबल

✎ Ursula Nafula
✉ Vusi Malindi
📄 Nandani



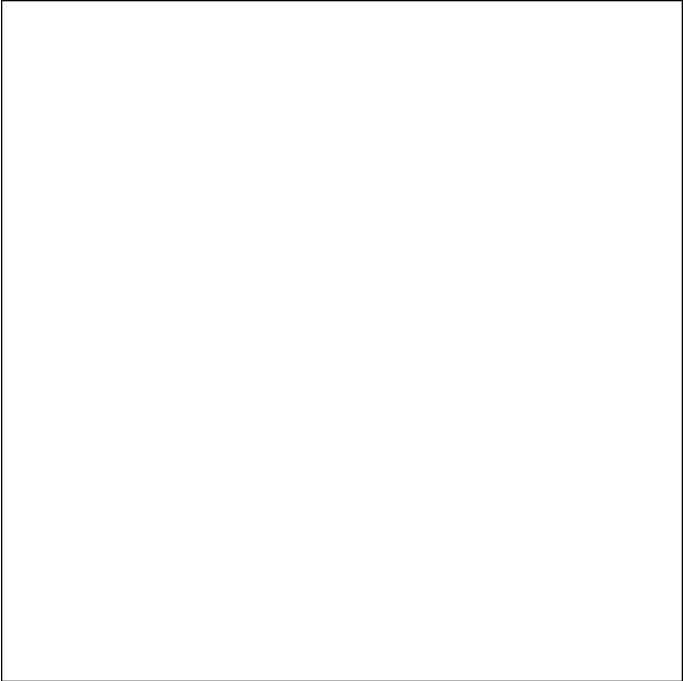
This work is licensed under a Creative Commons
[Attribution 4.0 International License.](https://creativecommons.org/licenses/by/4.0)
<https://creativecommons.org/licenses/by/4.0>

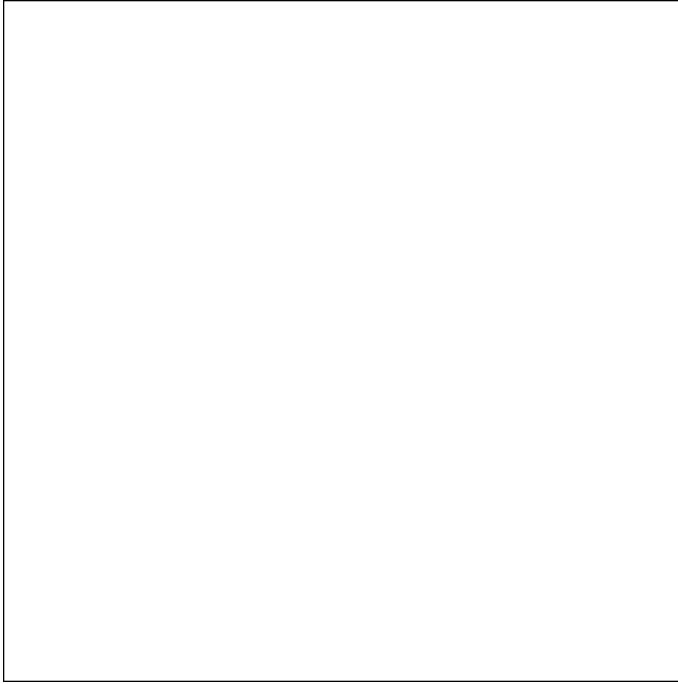




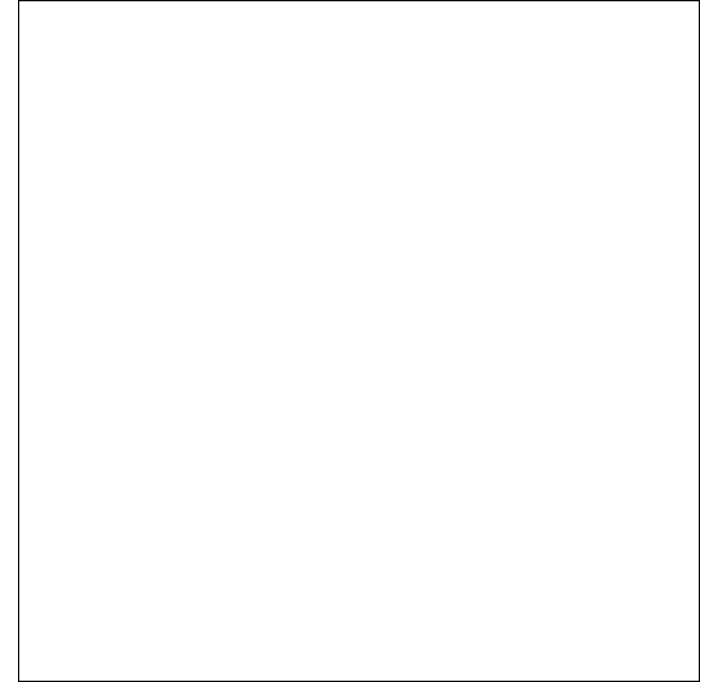
मेरे गाँव में बहुत सारी समस्याएँ थीं। हमें नल से पानी लेने के लिए बहुत लंबी लाइन लगानी पड़ती थी।

ਕਰਨਾ ਮੰਤਰਾ ॥
ੴ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ ॥



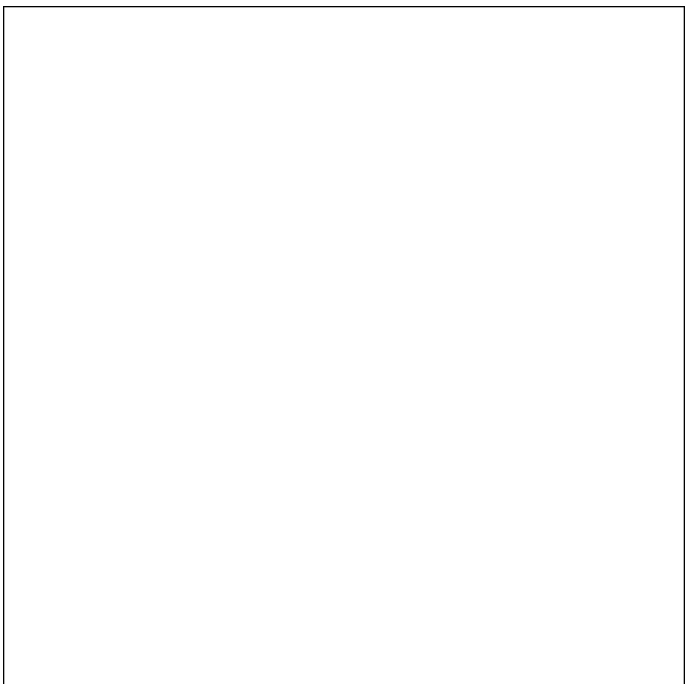


चोरों के कारण हमें अपने घर जल्दी बंद करने पड़ते थे।

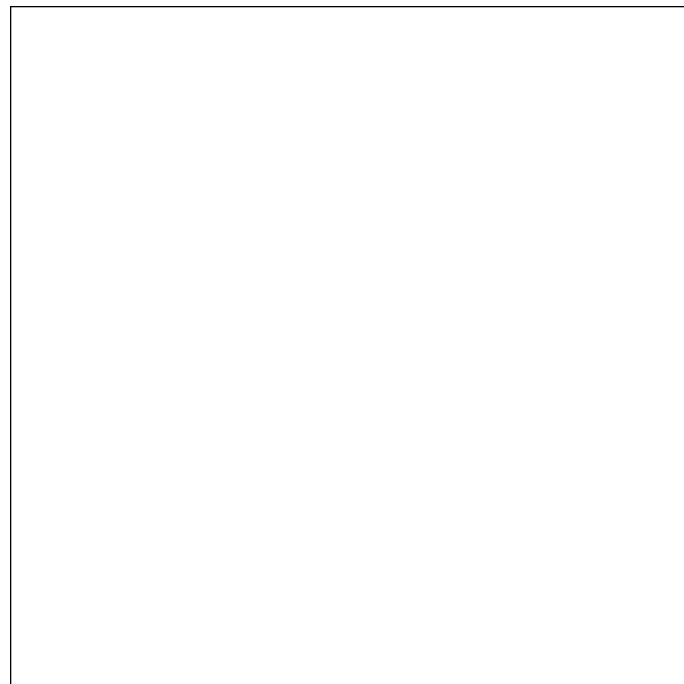


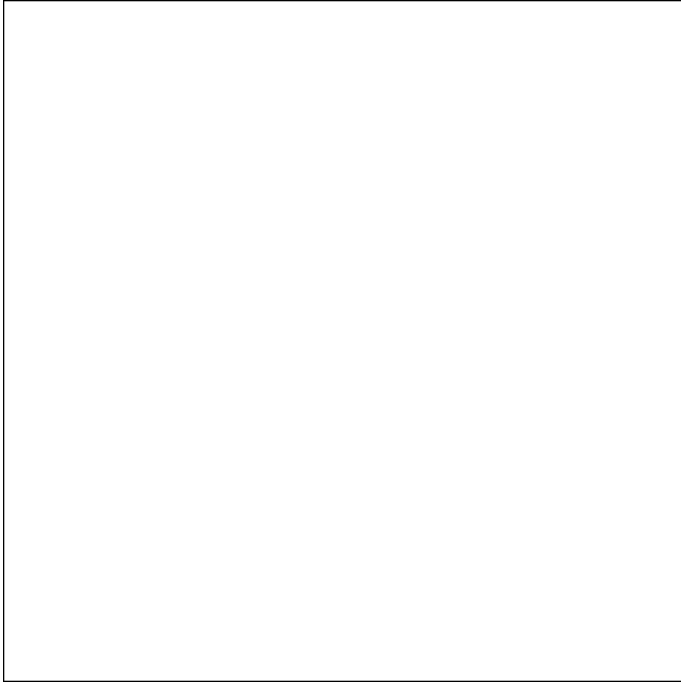
हमने साथ मिलकर एक स्वर में ज़ोर से कहा “हम अपनी ज़िदगी ज़रूर बदलेंगे”। उस दिन से हम अपनी समस्याओं को हल करने के लिए साथ काम करते हैं।

बहिन से बच्चों ने बीच में ही स्कूल छोड़ दिया।

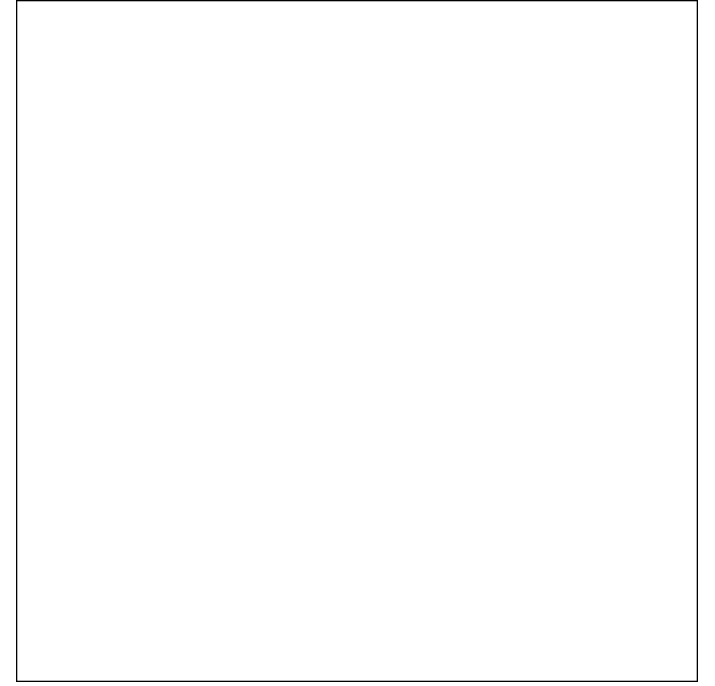


एक और आदमी खड़ा हुआ और बोला "आदमी कौन है?"



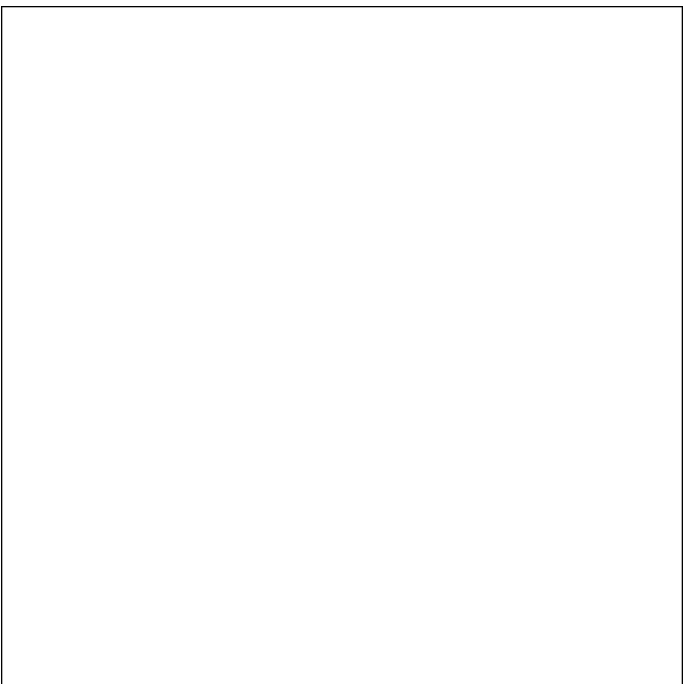


नौजवान लड़कियाँ दूसरे गाँव में नौकरानी का काम करती थीं।

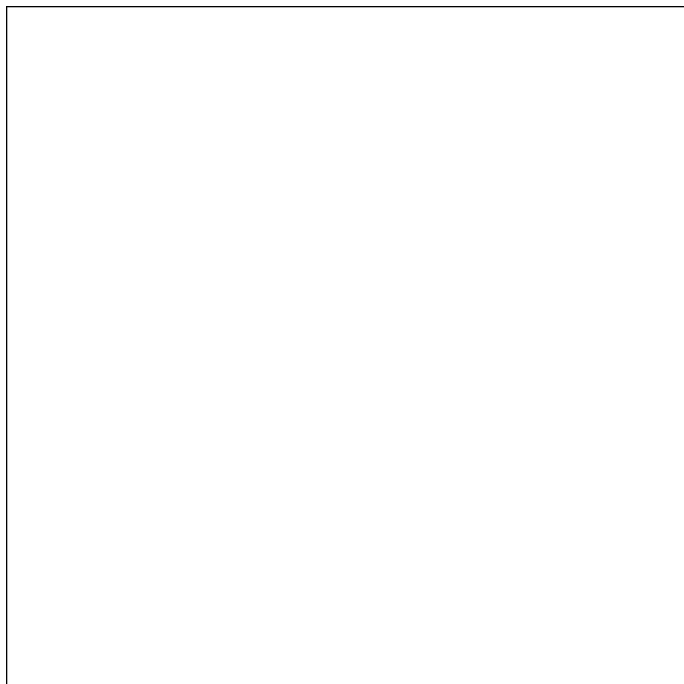


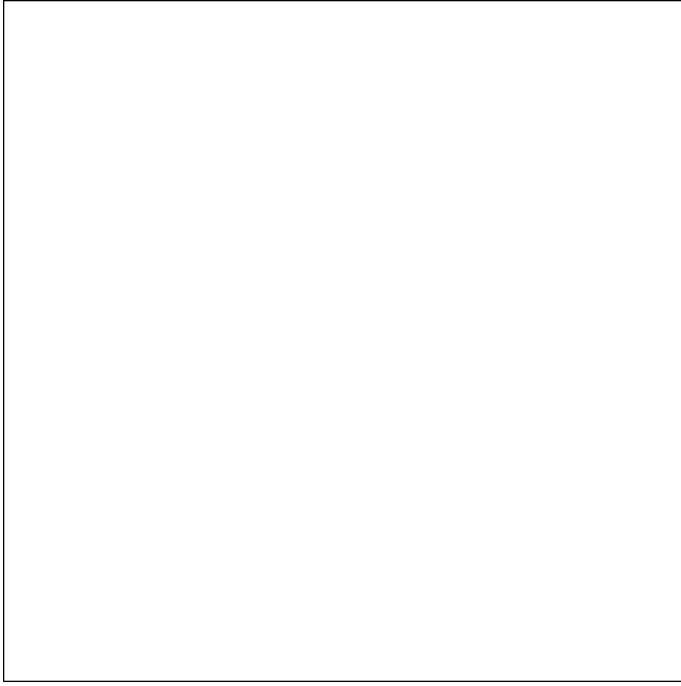
एक महिला ने कहा “महिलाएँ मेरे साथ मिलकर फ़सल उगा सकती हैं”।

नौजवान लड़के गाँव में घूमते रहते थे
जबकि बाकी दूसरों के खेतों में काम करते थे।

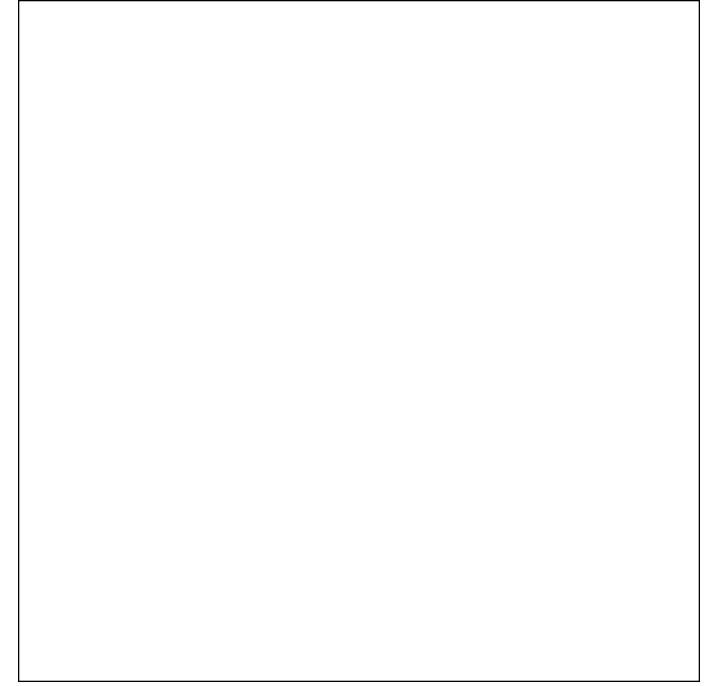


पुंड की डाली पर बैठा आठ वर्षीय जमा
"सुहाई सुहाई में मरुत कर सकता
"।



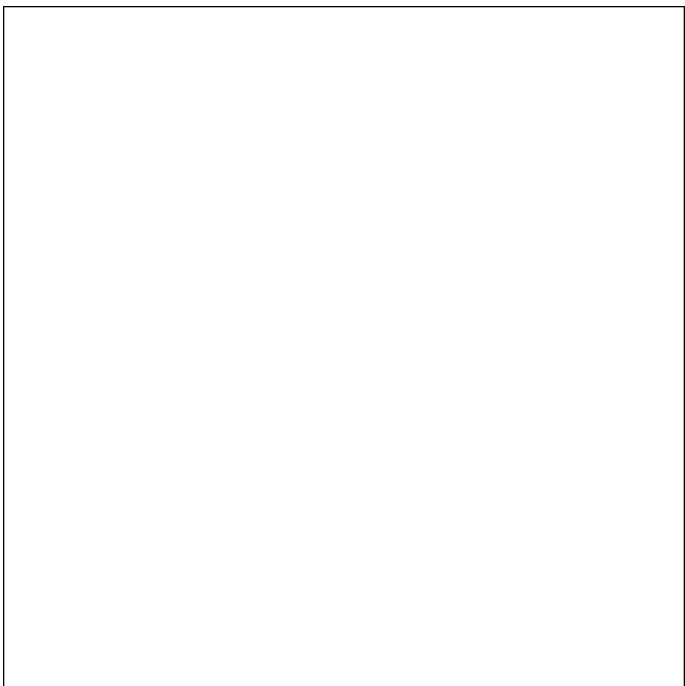


जब हवा चलती तो बेकार पड़े कागज़, पेड़ों
और बाड़ों से लटक जाते थे।

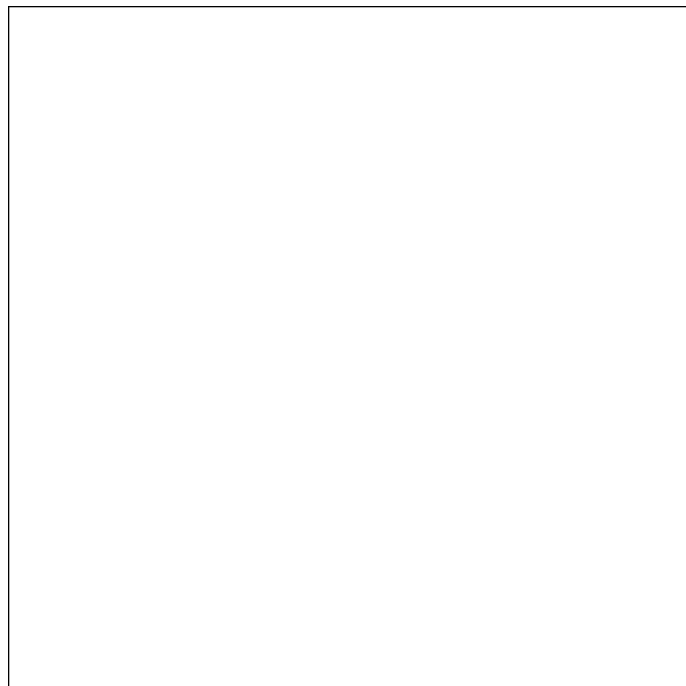


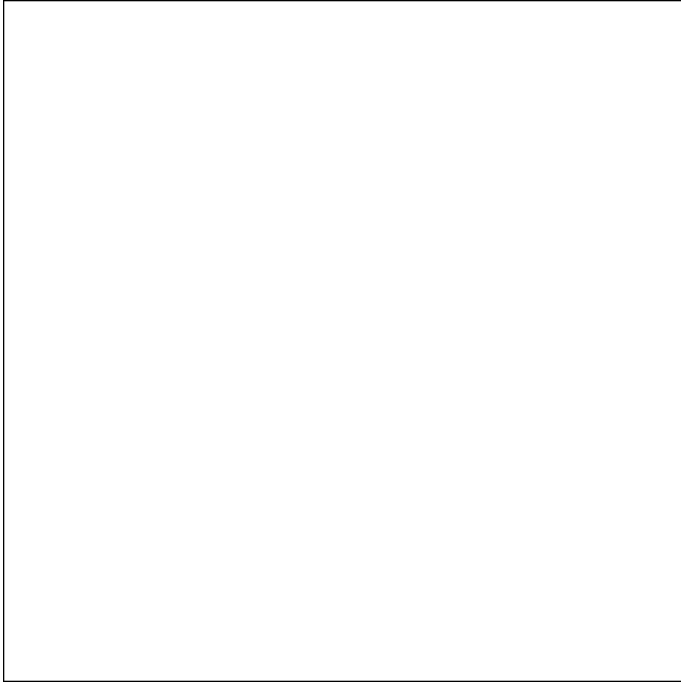
मेरे पिता ने खड़े होकर कहा “हमारी
समस्याओं को सुलझाने के लिए हमें साथ
मिलकर काम करना होगा”।

लगाववाही से फूके गए कूच के टुकड़े से
इस प्रकार की जाते थे।

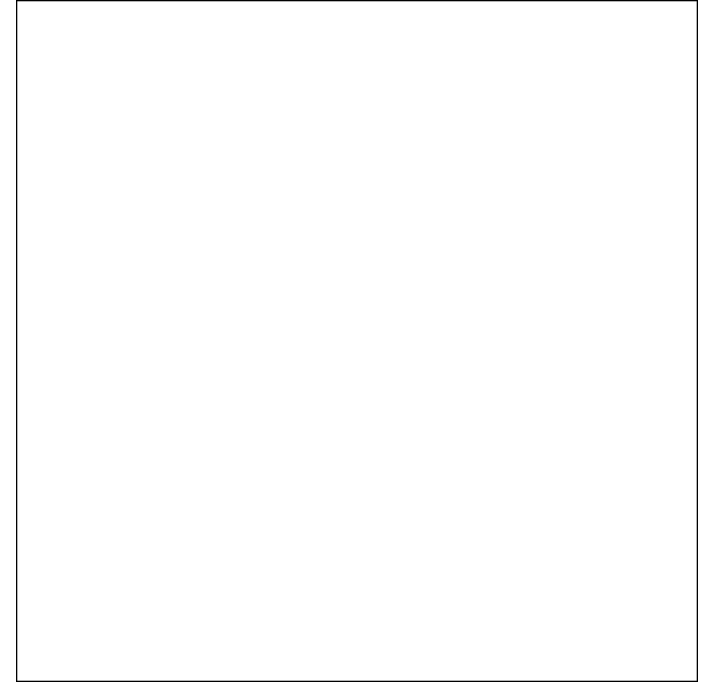


एक बड़े पट्टे के नीचे लगे हुए कूच और
उन्होंने बना।





फिर एक दिन, नल सूख गये और हमारे
बर्तन खाली रह गए।



मेरे पिता ने घर-घर जाकर लोगों से विनिती
की कि वे गाँव की बैठक में आएँ।